फसल निगरानी और उत्पादन में एआई का उपयोग

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा- आधुनिक तकनीक को जोड़कर फसल प्रबंधन को ज्यादा प्रभावी बना रही सरकार

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 14 मार्च. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में कृषि क्षेत्र को आधुनिक तकनीक से जोड़कर फसल प्रबंधन को अधिक सटीक, पारदर्शी और प्रभावी बनाया जा रहा है. राज्य सरकार की 'सारा' और 'उन्नति' एग्री-जीआईएस प्रणाली से उपग्रह चित्रों, ड्रोन सर्वेक्षण और खेतों की वास्तविक तस्वीरों का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई और मशीन लर्निंग एमएल से विश्लेषण किया जा रहा है.

इससे फसल निगरानी और उत्पादन आंकलन को वैज्ञानिक आधार मिला है और किसानों को योजनाओं का लाभ अधिक पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से मिल रहा है.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 'उन्नति' प्लेटफॉर्म और 'सारा' एप्लिकेशन से क्रॉप मैपिंग और फसल गिरदावरी की प्रक्रिया को आधुनिक तकनीक से जोड़ा गया है. डीप लर्निंग तकनीक से 'सारा' ऐप द्वारा प्राप्त लाखों तस्वीरों का विश्लेषण कर खेत स्तर पर बोई गई फसलों के प्रकार का सत्यापन किया जाता है, जिससे फसलों की वास्तविक स्थिति का सटीक आंकलन संभव हो रहा है.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्मार्ट क्रॉप मैपिंग और पहचान के लिए उपग्रह चित्रों और रैंडम फॉरेस्ट मॉडल का उपयोग कर

खसरा स्तर पर फसलों की पहचान की जा रही है. साथ ही अधिसूचित फसलों के लिए पटवारी हल्का स्तर पर उपज का पूर्वानुमान भी लगाया जा रहा है. इससे कृषि योजना निर्माण, खाद्यान्न खरीद व्यवस्था और फसल बीमा प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिल रही है। इस तकनीकी पहल से फसल पहचान और आकलन की सटीकता में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है. वर्ष-2022 में जहां सटीकता 66 प्रतिशत थी, वहीं वर्ष-2025 तक यह बढ़कर लगभग 85 प्रतिशत हो गई है. हाल के रबी और खरीफ सीजन में इस प्रणाली से 5 करोड़ 37 लाख से अधिक खेतों की तस्वीरों का विश्लेषण किया गया है, जिससे रीयल-टाइम फसल पहचान संभव हुई है. इस प्रणाली से 3 करोड़ से अधिक भूमि खंडों में बोई गई फसलों का डिजिटल मैपिंग किया गया है. साथ ही प्रमुख फसलों की पहचान और डिजिटल फसल गिरदावरी का सत्यापन भी किया जा रहा है. वर्ष 2023 से 'पटवारी हल्का' स्तर के लगभग 22 हजार क्षेत्रों में फसल उत्पादन का आंकलन किया जा रहा है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भू-स्थानिक (जियो-स्पेशियल) तकनीक, (एआई) और मशीन लर्निंग आधारित यह प्रणाली किसानों, सर्वेक्षकों और फसल बीमा कंपनियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही है. इससे जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में फसल नुकसान का समय पर आकलन संभव होगा.

सीएम आज बुरहानपुर जिले को देंगे विकास कार्यों की सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 15 मार्च रविवार को बुरहानपुर जिले के नेपानगर में विभिन्न विकास कार्यों की सौगात देंगे. मुख्यमंत्री डॉ. यादव 363 करोड़ 82 लाख रूपये के 127 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन करेंगे. नेपानगर में जनजातीय सम्मेलन एवं विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमि-पूजन कार्यक्रम में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत कार्यशाला भी आयोजित होगी. जनजातीय बाहुल्य नेपानगर में जनजातीय समुदाय की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जायेगी. साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव संवाद भी करेंगे. जनजातीय सम्मेलन में कृषि, उद्यानिकी, पशु चिकित्सा, आजीविका मिशन, वन विभाग की विकास प्रदर्शनी भी रहेगी. मुख्यमंत्री डॉ. यादव सम्मेलन में विभिन्न योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित करेंगे.

मंत्रालय के गलियारे से

कन्हैया लोधी

काम ही काम, कहीं नहीं आराम

एक महकमे के लिए ये समय काम के लिहाज से पीक आवर्स में तब्दील हो गया है. वैसे तो सभी विभाग सरकारी रफ्तार से चलते रहते हैं, लेकिन एक विभाग के लिए एक नई अनचाही परिस्थिति ने दबाव बढ़ा दिया है. एक तरफ चावल मिलिंग की चिंता तो दूसरी तरफ गेहूं उपार्जन का दबाव. सबकी तैयारी चल ही रही थी कि अब गैस और पेट्रोलियम की भी चिंता सुबह -शाम करने की नौबत आ गई है. टॉप से लेकर बॉटम तक का अमला व्यवस्था बनाने में लगा है. तमाम दावों के बाद भी स्थिति लगातार पैनिक है. इस कारण महकमा भी तनाव में है. आला अफसरों के चेहरे पर इस तनाव को साफ पढ़ा जा सकता है. मीटिंग ऑवर लगातार लंबे होते जा रहे हैं. अब देखना ये है कि इस पैनिक सिचुएशन से प्रदेश के लोगों के साथ ही विभाग को कब राहत मिलती है.

अब नर्मदा मैया का ही सहारा

प्रदेश के एक सीनियर मंत्री का मिजाज इन दिनों कुछ बदला नजर आ रही है. साहब का सरकारी तंत्र में ध्यान कम और धार्मिक गतिविधियों में कुछ ज्यादा ही दिख रहा है. ये वही मंत्रीजी हैं, जिनके बारे में ये चर्चा चल रही है कि यदि मंत्रिमंडल में कुछ होता है, तो ये भी दायें-बायें हो सकते हैं. जाहिर बात है कि उनको भी पता होगा, कि उनके साथ क्या हो सकता है. ऐसी स्थिति जब बन जाए, जिसका नियंत्रण आपके हाथ में न हो तो फिर सहारा फिर उपर वाले का ही होता है. इसलिए साहब इन दिनों मां नर्मदा के किनारे अधिक नजर आ रहे हैं. वैसे उनका मां नर्मदा के प्रति अगाध श्रद्धा जगजाहिर है. तो अब नर्मदा मैया का ही सहारा दिख रहा है.

नेताओं को दर्द देता मोबाइल

जब भी कोई राजनीतिक कार्यक्रम होता है तो नेताओं के उबाऊ और थकाऊ भाषण सुनना कार्यकर्ताओं की मजबूरी और नियति दोनों ही है. लेकिन लगता है कि अब ऐसे बोझिल आयोजनों में कार्यकर्ताओं ने टाइम पास के लिए नेताजी को सुनने से ज्यादा मोबाइल पर टाइम पास करने को ज्यादा प्राथमिकता देना शुरू कर दिया है. इसका शिकार पिछले दिनों प्रदेश के बड़े नेता भी हो गए. ये नेताजी बड़े जोश के साथ अपनी बात रख रहे थे, लेकिन ये क्या, ज्यादातर श्रोताओं के सिर नीचे झुके हुए थे, इनमें से ज्यादातर अपने मोबाइल में व्यस्त थे. जब नेताजी के सब्र का बांध टूट गया तो फिर भरे मंच से उन्हें टोकना पड़ा, लेकिन मजे की बात ये है कि उसके बाद भी असर आंशिक ही रहा, यानी अब मोबाइल भी नेताओं को दर्द देने लगा है.

ये आत्मीयता क्या रंग लाएगी?

पिछले दिनों ग्वालियर क्षेत्र में एक कार्यक्रम हुआ, वहां एक केंद्रीय मंत्री और कद्दावर नेता ने सरकार के प्रति आत्मीयता दिखाने में कोई कसर बाकी नहीं रखी. मंच से जब वे भाषण दे रहे थे तो सरकार की तारीफ में ऐसे कसीदें पढ़े और ताली बजवाई कि जनता भी उनकी इस अदा पर पूरी तरह मंत्रमुग्ध नजर आई. अब देखना ये है कि ये जुगलबंदी और आत्मीयता आने वाले दिनों में प्रदेश की राजनीति में क्या रंग दिखाती है.

मार्च के दूसरे सप्ताह में ही तपने लगा प्रदेश

6.6 डिग्री अधिक है सामान्य से तापमान

40 डिग्री के करीब रहा पारा कई शहरों में

▸ मार्च में ही गर्मी का रेड अलर्ट ▸ मौसम विभाग ने दी सावधानी की सलाह

भोपाल, 14 मार्च. मध्यप्रदेश में मार्च के दूसरे सप्ताह में ही गर्मी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है. प्रदेश के कई शहरों में तापमान तेजी से बढ़ रहा है और कई जिलों में पारा 38 से 40 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया है.

मौसम विभाग के 13 मार्च शाम 5:30 बजे तक के आंकड़ों के अनुसार नर्मदापुरम लगातार दूसरे दिन प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 40.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. यह सामान्य से करीब 6.6 डिग्री अधिक है.

मौसम विभाग के अनुसार 15, 16 और 17 मार्च को प्रदेश के उत्तरी और पूर्वी हिस्सों में मौसम में हल्का बदलाव देखने को मिल सकता है. ग्वालियर-चंबल, जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग के कुछ जिलों में हल्की बारिश की संभावना जताई गई है. इससे कुछ क्षेत्रों में तापमान में मामूली राहत मिल सकती है. राजधानी भोपाल में भी गर्मी का असर साफ दिखाई देने लगा है. यहां शुक्रवार को अधिकतम तापमान 37.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से करीब 4.9 डिग्री अधिक है.

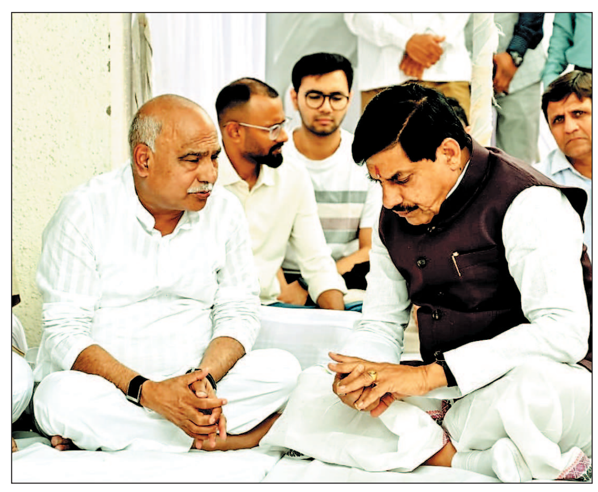

सुरभि खंडेलवाल को दी श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने अर्पित किए पुष्प

बैतूल, 14 मार्च. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने बैतूल में विधायक व प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सुपुत्री स्व. सुरभि खंडेलवाल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर शोक संवेदना व्यक्त की.

10 लाख पौधों से सजेगा उज्जैन सिंहस्थ में मिलेगा हरित संदेश

- ग्रीन सिंहस्थ की दिशा में चलेगा हरियाली अभियान
- नदी के तट पर बढ़ेगी हरियाली, क्षिप्रा आरती होगी वैभवशाली
- छायादार और औषधीय वृक्षों की श्रृंखला

नवभारत न्यूज

उज्जैन. महाकाल मंदिर के आसपास कभी घना जंगल हुआ करता था, जिसमें राजा महाराजा और प्रजा घूमने फिरने के साथ औषधीय पौधों का लाभ प्राप्त करते थे, प्राचीन काल में इसे महाकाल वन कहा जाता था, उसी वन की परीकल्पना एक बार फिर मप्र सरकार द्वारा की जा रही है और सिंहस्थ 2028 मे इस योजना को साकार स्वरूप उपलब्ध कराया जाएगा.

आगामी सिंहस्थ 2028 को पर्यावरण संरक्षण और भारतीय संस्कृति के समन्वय के साथ ग्रीन सिंहस्थ के रूप में आयोजित करने की तैयारी शुरू हो गई है. शनिवार को नगरी प्रशासन आयुक्त संकेत भौंडवे उज्जैन पहुंचे और सीएम की परिकल्पना से अवगत कराया.

अफसरों ने किया मंथन- इसी उद्देश्य से नगरीय प्रशासन आयुक्त संकेत भोंडवे की अध्यक्षता और सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह तथा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह की उपस्थिति में सिंहस्थ मेला कार्यालय पर चिंतन मनन हुआ, जिसमें नगर

निगम, स्मार्ट सिटी, वन विभाग और उद्यानिकी विभाग सहित विभिन्न विभागों को ग्रीन सिंहस्थ को मूर्त रूप देने की जिम्मेदारी दी गई.

विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगेंगे -सिंहस्थ 2028 के मद्देनजर बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया जाएगा. इसके लिए मदर नर्सरी विकसित की जाएगी और शहर के प्रमुख मार्गों, डिवाइडरों तथा घाटों के आसपास गुलमोहर, पलाश, टिकोमा, अमलताश, कचनार, आम, अमरूद, बेलपत्र, नीम, पीपल, इमली, शीशम और जामुन जैसे फूल, फल और छायादार वृक्ष लगाए जाएंगे. इन वृक्षों से श्रद्धालुओं को छाया के साथ-साथ कई औषधीय लाभ भी मिलेंगे.

पौधों की निगरानी - रोपे गए पौधों की निगरानी के लिए जियो-टैगिंग की व्यवस्था की जाएगी तथा उनके संरक्षण के लिए गीले कचरे से वर्मीकंपोस्ट तैयार करने और जलकुंभी से खाद बनाने की योजना भी लागू की जाएगी. साथ ही शहर के उद्यानों और सड़क किनारे लगाए जाने वाले पौधों को सामाजिक संस्थाओं को गोद देने की योजना भी बनाई गई है, जिससे नागरिक भी हरियाली अभियान में भागीदार बन सकें.

10 लाख पौधे लगेंगे -उज्जैन शहरी वनीकरण परियोजना के अंतर्गत नगर निगम सीमा में लगभग 10 लाख पौधे लगाए जाएंगे.

आरती वैभवशाली, घाट पर हरियाली

श्री महाकाल वन की संकल्पना के अनुरूप आध्यात्मिक वातावरण और पर्यावरण संरक्षण को साथ लेकर मां क्षिप्रा के तटों को हरियाली से आच्छादित किया जाएगा. साथ ही क्षिप्रा के रिवरफ्रंट विकास और क्षिप्रा आरती को और अधिक वैभवशाली स्वरूप देने की कार्ययोजना भी तैयार की जा रही है, ताकि सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं को दिव्य और भव्य अनुभव मिल सके.

साइबर ठगी के नेटवर्क का भंडाफोड़

विशेष संवाददाता

भोपाल, 14 मार्च. मध्य प्रदेश पुलिस ने नरसिंहपुर जिले में म्यूल बैंक खातों के माध्यम से संचालित साइबर अपराधों के एक नेटवर्क का खुलासा किया है, जिसमें लगभग 15 करोड़ रुपये के अवैध लेन-देन का पता चला है. जांच के दौरान पुलिस ने करीब 180 बैंक खातों को म्यूल खाते के रूप में चिन्हित किया, जिनका उपयोग साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि के लेन-देन के लिए किया जा रहा था.

अधिकारियों के अनुसार अब तक 35 ऐसे खातों को बंद कराया जा चुका है, जबकि 17 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया

गया है. कार्रवाई के दौरान पुलिस ने नौ पासबुक, चार एटीएम कार्ड और नौ मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं. जांच में सामने आया कि आरोपी आम लोगों को छोटे आर्थिक लाभ का लालच देकर उनके बैंक खातों, पासबुक और एटीएम कार्ड की जानकारी हासिल कर लेते थे. बाद में इन खातों का उपयोग ऑनलाइन खेल मंचों, साइबर ठगी और अन्य अवैध गतिविधियों से प्राप्त धनराशि के लेन-देन के लिए किया जाता था.

बाइक सवार युवक ने झपट्टा मारकर बैंककर्मी से छीन ले गए चेन

ग्वालियर, 14 मार्च. घर से टहलने के लिये निकली महिला बैंक कर्मचारी से बाइक सवार बदमाश झपट्टा मारकर सोने की चेन लूट कर मौके से फरार हो गये। घटना विश्वविद्यालय थाना इलाके स्थित एमपी संस और होटल सुगर पॉम के पास रात की है। घटना पता चलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच के बाद बाइक सवार की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने सर्चिंग की, लेकिन लुटेरे का सुराग नहीं मिल पाया है। पुलिस को कुछ जगहों पर बदमाशों के फुटेज मिले है। जिनके आधार पर लुटेरे की तलाशकी जा रही है, पुलिस ने चेन स्नेचिंग की एफआईआर दर्ज कर ली है।

नवरात्रि मेले के लिए मैहर स्टेशन पर 14 जोड़ी ट्रेनों का अस्थाई ठहराव

भोपाल, 14 मार्च. आगामी नवरात्रि मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेल ने विशेष व्यवस्था की है. इसके तहत पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल से गुजरने वाली 14 जोड़ी ट्रेनों को मैहर रेलवे स्टेशन पर 5 मिनट का अस्थायी ठहराव दिया गया है. यह व्यवस्था 19 मार्च 2026 से 1 अप्रैल 2026 तक लागू रहेगी.

रेल प्रशासन के अनुसार नवरात्रि मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मैहर स्थित मां शारदा देवी मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचते हैं. इसी को देखते हुए लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर, लोकमान्य तिलक टर्मिनस-छपरा, चेन्नई-छपरा, वलसाड-मुजफ्फरपुर, पुणे-गोरखपुर, पूर्णा-पटना, पुणे-बनारस, बांद्रा टर्मिनस-पटना और सूरत-छपरा सहित कुल 14 जोड़ी ट्रेनों को मैहर स्टेशन पर अस्थायी हाल्ट प्रदान किया गया है.

इन ट्रेनों के मैहर स्टेशन पर आगमन और प्रस्थान का समय अलग-अलग निर्धारित किया गया है, ताकि श्रद्धालुओं को मंदिर दर्शन के लिए आने-जाने में सुविधा मिलेगी.

महिला पुलिस अधिकारियों का हुआ सम्मान

विशेष संवाददाता

भोपाल, 14 मार्च. मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय की महिला सुरक्षा शाखा द्वारा नवीन पुलिस मुख्यालय स्थित सभागार में 'महिला पुलिस अधिकारियों की उपलब्धियों का प्रस्तुतीकरण एवं सम्मान' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक से लेकर प्रधान आरक्षक स्तर तक की कुल 94 महिला पुलिस अधिकारी प्रतिभागी के रूप में शामिल हुई.

संगोष्ठी के दौरान महिला पुलिस अधिकारियों ने अपने द्वारा विवेचित महत्वपूर्ण प्रकरणों से जुड़े

अनुभव, चुनौतियाँ और उपलब्धियाँ प्रस्तुत कीं. प्रस्तुतियों में अपराध अनुसंधान के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला गया, जिनमें विवेचना की अवधि, अनुसंधान के दौरान सामने आई कठिनाइयाँ और उनसे निपटने के उपाय प्रमुख रहे. प्रतिभागियों ने साक्ष्य संकलन की वैज्ञानिक और विधिक प्रक्रियाओं, न्यायालयों द्वारा की गई महत्वपूर्ण टिप्पणियों तथा विवेचना के दौरान अपनाई गई प्रभावी रणनीतियों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी. इन प्रस्तुतियों के आधार पर प्रतिभागियों की विवेचनाओं का निर्धारित मानकों के अनुसार मूल्यांकन किया गया.

संवाद ▸ देपालपुर विधानसभा क्षेत्र में पंचायत समिति कार्यकर्ताओं को पटवारी ने किया संबोधित

कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने की आवश्यकता

विशेष संवाददाता

भोपाल, 14 मार्च. जीतू पटवारी, अध्यक्ष मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी, ने शनिवार को इंदौर जिले के देपालपुर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित ब्लॉक स्तरीय पंचायत समिति कार्यकर्ता सम्मेलनों में भाग लिया. यह बैठकें देपालपुर, गौतमपुरा और बेटमा ब्लॉकों में आयोजित की गईं, जहां उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं से संवाद किया.

सभा को संबोधित करते हुए पटवारी ने कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया. उन्होंने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा करते हुए जनहित से जुड़े कई मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया. उन्होंने कहा कि कांग्रेस की वास्तविक ताकत उसके जमीनी कार्यकर्ता हैं और उन्हीं के बल पर वर्ष 2028 में प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी.

उन्होंने यह भी घोषणा की कि ग्राम पंचायत कांग्रेस अध्यक्षों को संगठन में अधिक सम्मानजनक स्थान दिया जाएगा और कार्यक्रमों के दौरान उन्हें मंच पर बैठाकर उनकी भूमिका को मान्यता दी जाएगी. कार्यक्रम में सत्यनारायण पटेल, राष्ट्रीय सचिव अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी, महिला प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रीना बोरासी तथा इंदौर ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े भी उपस्थित रहे. राज्य की सरकार का नेतृत्व कर रहे मोहन यादव पर निशाना साधते हुए पटवारी ने आरोप लगाया कि रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध न होने के कारण कई गरीब परिवारों के घरों में पिछले तीन दिनों से खाना नहीं बन पाया है. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द स्थिति नहीं सुधरी तो कांग्रेस कार्यकर्ता खाली सिलेंडर लेकर भारतीय जनता पार्टी के कार्यालयों के बाहर विरोध प्रदर्शन करेंगे.

शोकाकुल परिवारों के साथ पटवारी ने की प्रार्थना

इंदौर में दूषित पानी की त्रासदी में कई परिवारों ने अपने प्रियजनों को खो दिया, जिससे पूरे क्षेत्र में गहरा शोक व्याप्त है. इस दुखद घटना के बाद मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शोकाकुल परिवारों के

साथ शामिल होकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की. पटवारी भागीरथपुरा में आयोजित उस कार्यक्रम में शामिल हुए, जहां मृतकों के परिजन अपने प्रियजनों की अस्थियां विसर्जित करने के लिए प्रयागराज रवाना होने से पहले एकत्रित हुए थे. इस दौरान उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की. इस अवसर पर पटवारी ने कहा कि दूषित पानी की इस त्रासदी में परिवारों को हुआ नुकसान बेहद पीड़ादायक है और इससे पूरा समाज स्तब्ध है. उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में वे प्रभावित परिवारों के साथ खड़े हैं और ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उन्हें इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति और साहस मिले. उन्होंने इस त्रासदी में जान गंवाने वाले लोगों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए कहा कि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा न हो.

पेज एक का शेष

शादी-ब्याह में फिजूलखर्ची से हमेशा बचें

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार बेटियों के सम्मान, इनके सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा के लिए सदैव ही प्रतिबद्ध है. इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी नवविवाहित जोड़ों को बधाई और सफल वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया. सम्मेलन में 200 बेटियों का सामूहिक विवाह/निकाह सम्पन्न हुआ. इसमें 162 बेटियों का विधि-विधान से विवाह और 38 बेटियों का कबूलियत निकाह कराया गया. मुख्यमंत्री ने कहा कि हर नवविवाहित जोड़े को मंगलाशीष के तौर पर सरकार की ओर से गृहस्थी के लिए 49-49 हजार रूपए दिए जा रहे हैं. मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सामूहिक विवाह सम्मेलन वर-वधु को जन्म-जन्मांतर तक साथ देने की अमरता की बेला का उत्सव है. उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि यह सामूहिक विवाह सम्मेलन आगे और भी अधिक विशाल बनेगा तथा सभी जरूरतमंद परिवारों के लिए सबसे बड़े मददगार के रूप में अपनी पहचान बनाएगा. उच्च शिक्षा, आयुष एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने विवाह सम्मेलन में कहा कि हमारी सरकार ने समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए योजनाएं बनाई हैं. सामाजिक सुरक्षा और सद्भाव के लिए मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना ने अपनी एक अलग ही पहचान बनाई है. आज के दौर में विवाह आयोजनों में फिजूलखर्ची बढ़ रही है. यह समाज के हित में नहीं है. इसलिए सभी को अपने पुत्र-पुत्रियों का विवाह सामूहिक विवाह और ऐसे आयोजनों में ही कराने की ओर बढ़ना होगा.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 **RNI Reg. No.7590/60**